

राष्ट्र निर्माण की सूत्रधार नारी, बैठकी "नये संसद के विशेष स्त्र पर, लगते क्याए"

दैनिक समाज जागरण

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को "माता भूमिह पुत्र अह पृथ्व्या" अर्थात् भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है, तभी से विश्व में नारी महिला का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्व को बताते हुए कहा था कि "मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा"। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सूजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निवेदन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं, और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के सदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन, पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सदृशी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में सकट आया है तो पतियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था। इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बैईमानी, लूट, गवन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायों में महिलाओं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के

मत्त्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योदारन करती है, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विश्व तो होता है जिसके मात्राके स्वरूप विश्व विश्वाता भी नमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी वानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुट हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति, संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तान्तरित होती है। अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही इतिहार गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति इरानी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, हरसिंहरन, कौर वर्षुक राजे सिंहिया, प्रियंका गांधी जैसे महिलाओं के अधिकारी, सरकारी नायदू, दुर्गा भासी और न जाने की महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलम्भी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायदू, सुचेता कृपलानी, इदरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति इरानी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, हरसिंहरन, कौर वर्षुक राजे सिंहिया, प्रियंका गांधी जैसे महिलाओं के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सदृशी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश की सकट आया है तो पतियों ने अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कठत हुए रुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, अधिकार, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सही मायों में स्वर्णिम अक्षरों से अकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सुनिश्चित करती है। जो जीवन की बायिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महीनी भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होती कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आदर-सङ्करण की रूपरूपी अक्षर होती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती है।



संजीव ठाकुर, चिंतन, ललितकुमार, रावपुर छत्तीसगढ़

दैनिक समाज जागरण

बैठकी जमते हीं मास्टर साहब ने वह कहते हुए मुझे रख दिया कि "उधर महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के गठबंधन-आई.पी.डी.आई.ए. की बैठक शुरू हुई

बहुसंख्यक हिन्दू समाज है और आजादी के बाद से ही इस सेक्युलर देश में बहुसंख्यकों के साथ भेदभाव की राजनीति, कांग्रेस शासन में होता आया है। संविधान के समक्ष सभी नागरिक सम्मान हैं। सर्विधान स्ट्री-पुरुष में भी भेद नहीं करता तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता और संविधान के संवैधानिक मूल्यों का तकाजा है कि मोदी सरकार "समान नागरिक सहित" बिल लाये। जिसकी अपेक्षा देश के 70 प्रतिशत लोग तो निश्चय ही रखते हैं।--मैं चुप हुआ!

अब इधर मोदी सरकार ने नये संसद में, विशेष सत्र की बैठक, 18 सितम्बर से 22 सितम्बर को बुलाने की घोषणा कर दी। अब क्या सत्र में सरकार क्या करने जा रही है!!

ए मास्टर साहब, जहाँ तक लोगों की बातों से अंदाज लाया जा रहा है कि इस सत्र में

"एक राष्ट्र-एक चुनाव" पर बातें हो सकती हैं। या समय से पहले चुनाव की घोषणा भी हो सकता है जैसा कि विषयी गठबंधन की बैठक के बाद निरीश बाबू ने कहा।--कुंवरजी ने अपनी कही।

कुंवर बाबू! ये मोदी है जो अपने फैसलों से हमेसा चौंकाते रहे हैं! 2024 में आम चुनाव है। ऐसी स्थिति में भाजपा, आम भारतीय की अपेक्षाओं पर खार उत्तरने का भरपूर प्रयास करेगी। मेरा अनुमान है कि देश की आधी संस्था को ध्यान में रखते हुए अर्थात् "महिला आरक्षण बिल" लाये जाने की पुरी संभावना दिखती है। वैसे भी जबकि उनलोगों द्वारा किये जाने वाले द्वारा गठबंधन की अधिकारी सुविधाओं पर मौजूद करेंगे। ये कहाँ का न्याय है! आज देख रहे हैं हैं न!! हिंदूओं के देश में ही हिंदूओं के धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा पर पथरबाजी और गोलीबारी होने लग गयी है। क्रृष्ण राज्यों से देखते हुए अर्थात् "महिला आरक्षण बिल" का लाये हैं। इनका मानना है कि इस सत्र में "एक राष्ट्र और एक चुनाव" पर चर्चा होनी चाहिये। वैसे भी सरकार ने इस संसद में कमिटी का गठन कर हीं दिया है जिसके अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपीठ श्री रामनाथ कोविंद को बनाया गया है। इस कमिटी में आठ सदस्य हैं जैसे- अमित शाहजी, अधीर रंजन चौधरी, गुलाम नवी आजाद, सुवास कश्यप, हरीश साल्लै, संजय कोठारी आदि। लेकिन संजय कोठारी और अधीर रंजन चौधरी कमिटी से अपने को अलग कर लिये हैं खैर, इस कमिटी को कानूनी और जनता की राय जानने की जिम्मेदारी दी गई है।-कुंवरजी ने अपना विचार रखा।

इसीबीच बेटी चाय का ट्रे रख गई और हम सभी एक एक कप उठा लिये.....

ए भाई, देश में इ जेवन जी-20 के सम्मेलन होता आ चंद्रयान-3 के संगे संगे आदित्य एल-1 के बारे में भी चर्चा त, जरुर नु होखे के चाहीं।जेकरा से संसार में आपने देश के डंका बाजता।--मुखियायां बड़ा अपूर्ण दिख्या!

सरजी, आपका क्या अनुमान है!!--पारस नेता मेरी ओर देखकर !

नेताजी, अनुमान तो आपको बताना चाहए! खैर, भाजपा का मुख्य वोटर

सहमति जताई पर मन से राजा अपने पुत्र की बलि देने के लिये यार नहीं होता आ।राजा के पुत्र को जब इस बात का पता चला तो वह स्वयं जाकर जल समाधि ले लिया। क्षणभर में तालब लालब भर गया। फूल खिल गये पंछी चहचहाने लगे। राजा को हलपटी देवी की पूजा का ज्ञान होने पर उन्होंने रानी से यह ब्रत पूरे विधिविधान से सपन्न कराया। पूजा के प्रभाव से राजा का पुत्र तालब से स्कृशल बढ़ाया गया। दूसरी कथा- एक गाँव में रेवती और मानवी नाम की जाति आरक्षण की जाति है

गिरिडीह से यांची जा दही विजय दथ बस दुर्घटनाग्रस्त दुर्घटना में दर्जनों लोग घायल दो की हालत गंभीर

दैनिक समाज जागरण, घनश्याम

पाठक, ब्लूरो चीफ

हजारीबाग (झारखंड) 2 सितंबर 2023 :- बोगोदर से हजारीबाग रोड विष्णुगढ़ से आठ किलोमीटर आगे रोल परवर के पास विजय रथ नामक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई ,जिसमें दर्जनों लोग दुर्घटना से घायल हो गए दो लोगों की स्थिति गंभीर बीमा हुई है, बताया जाता है कि बोगोदर हजारीबाग रोड पर शनिवार की सुबह हुए इस सड़क दुर्घटना से काफी जखी हुए, प्रत्यक्ष दर्शकों ने बताया की रांची जा रही थह बस आगे जा रहे ट्रक रुखारा अचानक ब्रेक लगाने की बजह से बस में ब्रेक लगाने में ड्राइवर अस्पताल ही गया , जिसकी वजह से ट्रक ने पीछे से टक्कर मार



दी इस टक्कर में बस का सामने वाला शीशा टूट गया टूटे शीशे के टक्के से कुत्ते देवी पीछे महेश पड़ित

युकार मच गई । जिसमें मोहम्मद इश्याद अंसारी, पिता सोमर मिया , सकीना खातून, शर्मिला शर्मा, सुति

शर्मा, राजकुमार, मुलेखा देवी , राजकुमार यादव , सभी भरकट्टा के रहने वाले थे एवं शकर यादव, ऋषि कुमार विश्वकर्मा, अंजली कुमारी, पलैंजिया के रहने वाल थे, सभी लोगों को विष्णुगढ़ सीएचसी में प्रैशिक्षण चुनाव पाठशाला का कार्यक्रम चलाना है । जिसमें देश में निर्वाचन साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए निवाचन साक्षरता कलब बनाए जा रहे हैं , वह कलब हर उम्र के लोगों को कुनावी साक्षरता देने के लिए काम करेंगे । यह सात रोप से विषय में मतदाता और युवा मतदाता इसके द्वारे में आये यह कलब ऐसी गतिविधियों के जरिए निर्वाचन साक्षरता देंगे , जो रोचक और मोरंजन होगी । इसका निर्वाचन साक्षरता देने का तरीका व्यावहारिक

ग्राम निवासी बेको बगोदर थाना को उपचार किया गया वही गंधीर रूप शीशे से गर्दन का कुछ दिस्सा कट से घायल जात्रियों को हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया।

दुमरी उपचुनाव के समय नजदीक होते हीं दिग्गज नेताओं ने झोंकी ताकत , घर-घर घूम कर मतदाताओं को मांगा बोट

दैनिक समाज जागरण ,

घनश्याम पाठक, ब्लूरो चीफ

गिरिडीह (झारखंड) 2 सितंबर 2023 :- दुमरी उपचुनाव का समय नजदीक होता जा रहा है और नेताओं का अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं को करने के लिए घर-घर घूम घर मत डालने की अपील में मतदाताओं को करने का काम जारी है । इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम रुखारा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी तीनों ने दुमरी विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी वसोदा देवी के समर्थन में दुमरी में व्यापक जनसमर्पक अभियान चलाया । बाबूलाल नेताओं को करने के लिए घर-घर घूम घर मत डालने की अपील में मतदाताओं को करने का काम जारी है । इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम रुखारा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी तीनों ने दुमरी विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी वसोदा देवी के समर्थन में दुमरी में व्यापक जनसमर्पक अभियान चलाया । मतदाताओं के बीच सधन संपर्क किया गया वही अपने साथी अपील में उहाँने कहा कि राज्य की विधि



बाबूलाल ने बोटों से संपर्क कर योसेदा देवी को जीतने का अपील किया, साथ ही अपने सांबोधन में उहाँने कहा कि राज्य की विधि

होता है , वह जन्म प्रमाण पत्र का हो, या मृत्यु प्रमाण पत्र का हो सभी चीजों में धूस देने पड़ते हैं राज्य में खान, खोनज, पत्थर, बालू ,

योसेदा देवी का पर्याप्त बनाए जाना चाहिए ।

योसेदा देवी का पर

